यूएस ओपन : सेरेना और वीनस विलियम्स की महिला युगल में वापसी हार के साथ खत्म

न्यूयार्क

टेनिस की दिग्गज बहनों सेरेना और वीनस विलियम्स ने यूएस ओपन की महिला युगल स्पर्धा में चार साल बाद वापसी की, लेकिन उन्हें चान हाओ-चिंग और माया जाइंट के खिलाफ तीन सेट के रोमांचक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में चान और जाइंट ने अमेरिकी बहनों को 6-3, 6-7 (6-8), 7-6 (10-7) से हराया।

14 ग्रैंड स्लैम युगल खिताब जीत चुकीं सेरेना और वीनस की जोड़ी ने तीसरे सेट में एक समय पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। निर्णायक 10 अंक वाले टाईब्रेक में भी दोनों बहनों ने 5-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन चान और जाइंट ने जबरदस्त वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

46 वर्षीय वीनस और 44 वर्षीय सेरेना ने 2022 यूएस ओपन के बाद पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम में महिला युगल मुकाबला खेला। दोनों बहनों ने आखिरी बार 2018 में फ्रेंच ओपन में साथ खिताब जीता था। उनकी 14 ग्रैंड स्लैम युगल ट्रॉफियों में दो यूएस ओपन खिताब भी शामिल हैं।

पहले सेट में चान और जाइंट ने 6-3 से जीत दर्ज की। इसके बाद सेरेना और वीनस ने दूसरे सेट में जोरदार वापसी की। उन्होंने इस सेट में 20 विनर्स लगाए और अपनी सर्विस पूरे सेट में बरकरार रखी। टाईब्रेक में जीत हासिल कर उन्होंने मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचाया। माया जाइंट के ओवरहेड शाट के लंबा बाहर जाने के साथ ही अमेरिकी बहनों ने सेट अपने नाम किया और स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने जोरदार स्वागत किया।

तीसरे सेट में चान और जाइंट ने 4-2 की बढ़त हासिल कर ली, लेकिन विलियम्स बहनों ने फिर वापसी की। निर्णायक टाईब्रेक में उन्होंने 5-0 की बढ़त बनाकर जीत की उम्मीद जगा दी थी, लेकिन ताइवान की चान और जाइंट ने शानदार खेल दिखाते हुए लगातार अंक हासिल किए और 10-7 से टाईब्रेक जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

23 बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन सेरेना के लिए फ्लशिंग मीडोज में यह लंबे अंतराल के बाद वापसी थी। चार साल पहले खेल से दूरी बनाने के बाद उन्होंने विंबलडन में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रमुख एकल प्रतियोगिता में वापसी की थी, जहां सेंटर कोर्ट पर उनका मुकाबला माया जाइंट से हुआ था।

हालांकि, आर्थर ऐश स्टेडियम का माहौल जाइंट के लिए भी खास अनुभव रहा। मुकाबले से पहले दोनों बहनों के कोर्ट पर उतरते ही दर्शकों ने जोरदार तालियों के साथ उनका स्वागत किया। उनके हर शानदार वाली और ओवरहेड शाट पर स्टेडियम गूंज उठा।

जाइंट ने कहा, माहौल अवास्तविक था। टेनिस की ऐसी दिग्गज खिलाड़ियों के खिलाफ खेल पाना बेहद खास है।

न्यूज ब्रीफ

यूएस ओपनः अल्कराज ने वू यीबिंग को हराकर चौथे दौर में बनाई जगह

न्यूयार्क। गत चैंपियन स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने चीन के वू यीबिंग को सीधे सेटों में 6-3, 6-4, 6-1 से

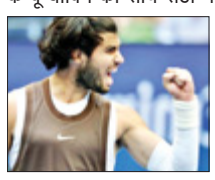

हराकर यूएस ओपन के चौथे दौर में जगह बना ली है। इस जीत के साथ अल्कराज ने फ्लशिंग मीडोज में अपने तीसरे खिताब की दावेदारी को और मजबूत कर दिया। इस जीत के साथ ग्रैंड स्लैम मुकाबलों में अल्कराज की लगातार जीत का सिलसिला 17 मैचों तक पहुंच गया है। उन्होंने पिछले साल यूएस ओपन का खिताब जीता था और इस साल फरवरी में आस्ट्रेलियन ओपन भी अपने नाम किया था। आस्ट्रेलियन ओपन की जीत के साथ वह करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बने थे।कलाई की चोट के कारण करीब पांच महीने तक प्रतिस्पर्धी टेनिस से दूर रहने के बाद न्यूयार्क पहुंचे अल्कराज हर दौर के साथ बेहतर लय में नजर आ रहे हैं। हालांकि पहले सेट में वू यीबिंग ने एक समय उनका ब्रेक वापस हासिल कर शुरुआती दबाव को कुछ देर के लिए कम किया, लेकिन अल्कराज ने जल्द ही नियंत्रण अपने हाथों में ले लिया। विश्व रैंकिंग में 113वें स्थान पर काबिज वू यीबिंग पेशेवर युग में किसी ग्रैंड स्लैम के अंतिम-16 में पहुंचने वाले पहले चीनी पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश में थे।

31वां नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स स्पोर्ट्स अवॉर्ड 25 सितंबर को

भोपाल। 31वें नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स (एनएसटी) राष्ट्रीय खेल अवॉर्ड समारोह का आयोजन 25 सितंबर 2026 को समन्वय भवन, भोपाल में किया जाएगा। समारोह में देश-प्रदेश के 30 नामी-गिरामी खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। गत वर्ष भी समारोह में 30 खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया था। अवॉर्ड की घोषणा 20 सितंबर 2026 को की जाएगी। नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स के संपादक एवं आयोजन सचिव इंद्रजीत मौर्य ने अपनी विज्ञप्ति में बताया कि खेल समारोह में स्पोर्ट्स मैन ऑफ द ईयर, मप्र खेल रत्न, श्रेष्ठ खिलाड़ी, प्रतिभा खिलाड़ी, लाइफ टाइम, प्रशिक्षक, खेल प्रमोटर, खेल पत्रकार एवं खेल संस्थानों स्कूल, कॉलेज एवं क्लब को अवॉर्ड दिया जाएगा। कार्यक्रम में खिलाड़ियों को अवॉर्ड, सम्मान पत्र, शाल, श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। इन्द्रजीत मौर्य ने बताया कि इस खेल कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य खेलों-खिलाड़ियों को बढ़ावा देना रहता है। जिसे हम पिछले 30 वर्षों से निरंतर आयोजित कर रहे हैं। कार्यक्रम में देश के करीब एक हजार से अधिक नामी-गिरामी खिलाड़ियों को सम्मानित किया जा चुका है। यह समारोह खेल-खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के तहत 1996 में शुरू किया गया था, जो आज तक निरंतर जारी है। वर्ष 1994 में शुरू हुई खेल पत्रिका नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स ने हाल ही में अपने 33वें वर्ष में प्रवेश किया है।

यूएस ओपनः त्सित्सिपास ने लेहेका को हराया, दो साल बाद ग्रैंड स्लैम के अंतिम-16 में पहुंचे

न्यूयार्क। यूनान के स्तेफानोस त्सित्सिपास ने चेक गणराज्य के 18वीं वरीयता प्राप्त जिरी लेहेका को

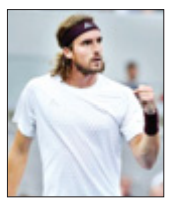

हराकर यूएस ओपन के चौथे दौर में जगह बना ली। त्सित्सिपास ने खेले गए मुकाबले में लेहेका को 2-6, 6-1, 7-6 (7-3), 6-1 से हराया। यह पहली बार है जब उन्होंने यूएस ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया है। त्सित्सिपास ने लेहेका की तुलना में चार गुना ज्यादा ऐस लगाए और मुकाबले का अंत शानदार सर्विस विनर के साथ किया। इस जीत के साथ वह दो साल से अधिक समय बाद किसी ग्रैंड स्लैम में अंतिम-16 में पहुंचे हैं। जीत के बाद त्सित्सिपास ने दर्शकों का अभिवादन करते हुए कहा, आपने इस मुकाबले में मेरा साथ दिया और मुझे जीत तक पहुंचाया। यह प्रतिक्रिया न्यूयार्क में बड़ी संख्या में मौजूद यूनानी-अमेरिकी प्रशंसकों के समर्थन के संदर्भ में थी। त्सित्सिपास ने पहले दौर में उभरते हुए खिलाड़ी आर्थर फिल्स को हराकर उलटफेर किया था। इसके बाद लेहेका के खिलाफ भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआती दो सेट बांटे, लेकिन तीसरे सेट का टाईब्रेक मुकाबले का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। त्सित्सिपास ने लगातार दो ऐस लगाए, जबकि पिछले साल न्यूयार्क में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे लेहेका ने डबल फाल्ट किया और कुछ ग्राउंड स्ट्रोक में गलतियां कीं। त्सित्सिपास ने मुकाबले में कुल 34 विनर्स लगाए, जबकि लेहेका 22 विनर्स ही लगा सके। यूनानी खिलाड़ी ने 30 अनफोर्स्ड एरर किए, जबकि चेक खिलाड़ी से 41 गलतियां हुईं। पीठ की समस्या के कारण 2025 का सत्र प्रभावित होने के बाद त्सित्सिपास ने कहा कि अब वह दर्द से मुक्त हैं। उन्होंने कहा, यह सत्र शायद मेरे लिए सबसे अच्छा नहीं रहा है, लेकिन कम से कम मैं हर दिन उठता हूं और खुश होता हूं कि मुझे कोई दर्द नहीं है।

भारत के खिलाफ मैच के लिए उरुग्वे की प्रारंभिक टीम घोषित, वाल्वरडे, नुनेज़ और अराउजो शामिल

नई दिल्ली

उरुग्वे के मुख्य कोच डिएगो फोर्लान ने सितंबर अंतरराष्ट्रीय विंडो के लिए 46 खिलाड़ियों की प्रारंभिक टीम घोषित की है। इसमें भारत के खिलाफ 6 अक्टूबर को कोलकाता में होने वाले मैत्री मैच के लिए स्टार खिलाड़ी फेडेरिको वाल्वरडे, डार्विन नुनेज़ और रोनाल्ड अराउजो को भी शामिल किया गया है। उरुग्वे के लिए 2002 से 2014 के बीच 112 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके फोर्लान ने 36 गोल किए थे। 2026 फीफा विश्व कप में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद मार्सेलो बिएल्सा के पद से हटने के बाद फोर्लान ने उरुग्वे के मुख्य कोच का पद संभाला है। सितंबर की अंतरराष्ट्रीय विंडो में उरुग्वे को जापान, दक्षिण कोरिया और भारत के खिलाफ मुकाबले खेलने हैं। टीम इन तीनों देशों का दौरा करेगी। भारत के खिलाफ मुकाबला फोर्लान के लिए भी खास होगा, क्योंकि वह करीब एक दशक बाद भारत लौटेंगे। उन्होंने 2016 में इंडियन सुपर लीग में मुंबई सिटी एफसी के लिए कुछ समय खेला था।

उरुग्वे का कार्यक्रमः

24 सितंबर: जापान बनाम उरुग्वे — रिफू

28 सितंबर: दक्षिण कोरिया बनाम उरुग्वे — सियोल

6 अक्टूबर: भारत बनाम उरुग्वे — कोलकाता

प्रारंभिक टीम में विश्व कप में खेलने वाली 26 सदस्यीय टीम के 21 खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें वाल्वरडे, नुनेज़ और अराउजो जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। नाहितान नांदेज और आर्सेनल के पूर्व मिडफील्डर लुकास टोरेइरा की टीम में वापसी हुई है। वहीं, नागरिकता प्राप्त डिफेंडर अलेक्जेंडर बारबोसा को भी टीम में जगह मिली है।

उरुग्वे की प्रारंभिक टीम

गोलकीपरः सैंटियागो मेले, क्रिस्टोफर फिएरमारिन, इग्नासियो दे अर्रुआबार्रेना, सेबास्तियन जौमे, थियागो कार्डोजो।

डिफेंडरः केविन अमारो, जोसे लुइस रोड्रिगेज, गुइलेर्मो वरेला, नाहितान नांदेज, सैंटियागो मौरिनो, निकोलस मारिचाल, रोनाल्ड अराउजो, अलेक्जेंडर बारबोसा, जोसे मारिया जिमेनेज, जुआन रोड्रिगेज, सेबास्तियन बोसेली, सैंटियागो ब्यूनो, सेबास्तियन कासेरेस, माथियास ओलिवेरा, जोआक्विन पिकेरेज, लुकास ओलाजा, मार्सेलो साराची, जुआन मैनुअल सैनाब्रिया।

मिडफील्डरः एमिलियानो मार्टिनेज, लुकास टोरेइरा, रोड्रिगो बेंटानकुर, फाकुंडो बरनाल, सैंटियागो होमेनचेंको, फेडेरिको वाल्वरडे, अगुस्तिन कानोबियो, मातियास अबाल्डो, फाकुंडो पेलिस्त्री, लुसियानो रोड्रिगेज, मैक्सिमिलियानो अराउजो, लुकास विलाल्बा, ब्रायन रोड्रिगेज, रोड्रिगो सालाजार, डिएगो रासी, जार्जियन दे अरास्काएटा।

फारवर्डः मार्टिन सात्रियानो, अगुस्तिन ए. मार्टिनेज, रोड्रिगो अगुइरे, फेडेरिको विन्यास, मिगेल मेरेंटिएल, डार्विन नुनेज़, अल्वारो रोड्रिगेज।

चाइना मास्टर्सः एन से यंग ने यामागुची को हराकर महिला एकल के फाइनल में बनाई जगह

शेनझेन। विश्व नंबर एक दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी एन से यंग ने जापान की अकाने यामागुची को सीधे गेमों में हराकर चाइना मास्टर्स 2026 के महिला एकल फाइनल में जगह बना ली है। शेनझेन एरिना में खेले गए सेमीफाइनल में एन से यंग ने यामागुची को 21-13, 21-15 से हराया। यह भारत में पिछले महीने आयोजित विश्व चैंपियनशिप के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच एक बार फिर मुकाबला था। विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में भी एन से यंग ने यामागुची को हराकर खिताब जीता था। चाइना मास्टर्स में भी दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी ने वही परिणाम दोहराया। यामागुची ने मुकाबले की अच्छी शुरुआत की और पहले गेम में एक समय 5-4 की बढ़त बना ली थी। इसके बाद एन से यंग ने जोरदार वापसी की और जापानी खिलाड़ी को लय में आने का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने पहला गेम 21-13 से जीतने के बाद दूसरे गेम में भी दबदबा कायम रखा और 21-15 से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। एन से यंग ने 2024 और 2025 में लगातार दो बार चाइना मास्टर्स का खिताब जीता है। अब उनकी नजर लगातार तीसरी बार खिताब जीतने पर है।

रांची के मोरहाबादी मैदान में 13 से 20 सितंबर तक होगी चैलेंजर ट्राफी फुटबाल प्रतियोगिता

रांची

राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में पिछले 31 वर्षों से लगातार आयोजित हो रही चैलेंजर ट्राफी फुटबाल प्रतियोगिता इस वर्ष 13 से 20 सितंबर तक होगी। प्रतियोगिता का आयोजन क्रीड़ा केन्द्र की ओर से किया जाएगा। प्रतियोगिता के संयोजक डा. प्रणव कुमार बब्बू ने बताया कि चैलेंजर ट्राफी की पहचान रांची के साथ आसपास के जिलों में भी प्रतिष्ठित फुटबाल प्रतियोगिता के रूप में बनी हुई है।

31 वर्षों से लगातार हो रहा आयोजन, विजेता को 71 हजार और उपविजेता को 51 हजार रुपये की पुरस्कार राशि

फुटबाल प्रेमियों, खिलाड़ियों और क्लबों को हर वर्ष इस प्रतियोगिता का इंतजार रहता है। उन्होंने बताया कि सामाजिक-वैचारिक संगठन रांची रिवोल्ट जन मंच और लक्ष्य डिफेंस अकादमी के सदस्य भी आयोजन में सक्रिय सहयोग करेंगे।

डा. बब्बू ने कहा कि झारखंड में खेल और खिलाड़ियों के लिए फुटबाल संजीवनी के समान है। यह युवाओं को प्रोत्साहित करने के साथ मनोरंजन का भी सशक्त माध्यम है।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष प्रतियोगिता की विजेता टीम को 71 हजार रुपये और उपविजेता टीम को 51 हजार रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इसके अलावा मैन आफ द मैच, मैन आफ द सीरीज, सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर सहित विभिन्न श्रेणियों में भी पुरस्कार दिए जाएंगे।

प्रतियोगिता को लेकर रांची और आसपास के क्षेत्रों के फुटबाल खिलाड़ियों, क्लबों और खेलप्रेमियों में उत्साह है। आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

लंदन स्क्वैश क्लासिकः अनाहत सिंह क्वार्टर फाइनल में सिवासंगरी से हारीं

लंदन। भारतीय युवा स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह को पीएसए गोल्ड स्तर के लंदन स्क्वैश क्लासिक के क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की विश्व नंबर पांच खिलाड़ी सिवासंगरी सुब्रमण्यम के खिलाफ सीधे गेमों में हार का सामना करना पड़ा। तीसरी वरीयता प्राप्त सिवासंगरी ने 17 मिनट में अनाहत को 11-4, 11-4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। 27 वर्षीय सिवासंगरी ने शुरुआत से ही मुकाबले पर नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने भारतीय खिलाड़ी को अपनी लय हासिल करने का मौका नहीं दिया और आसान जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में उनका सामना दूसरी वरीयता प्राप्त मिस्र की मौजूदा विश्व चैंपियन अमीना ओर्फी से होगा। विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज 18 वर्षीय अनाहत ने क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए बेल्जियम की आठवीं वरीयता प्राप्त नेले गिलिस को तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में हराया था।

प्रतिस्पर्धा आपको बेहतर बनने के लिए प्रेरित करती है: आर्यना सबालेंका

नई दिल्ली

दो बार की चैंपियन बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने यूएस ओपन 2026 में अपने खिताब बचाने के अभियान की शानदार शुरुआत की है। विश्व नंबर एक सबालेंका ने तीसरे दौर में कामिला राखिमोवा को 6-3, 6-4 से हराकर अंतिम-16 में जगह बना ली है।

न्यूयार्क में अपने अभियान के दौरान सबालेंका ने टेनिस की प्रतिस्पर्धात्मक प्रकृति और मजबूत प्रतिद्वंद्वियों से मिलने वाली चुनौती पर बात की।

जियोस्टार को दिए गए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि कड़ी प्रतिस्पर्धा उन्हें लगातार बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है।

सबालेंका ने कहा, प्रतिस्पर्धा हमेशा आपको बेहतर बनने के लिए प्रेरित करती है। मुझे टेनिस की यही बात पसंद है कि कोई आपका पीछा कर रहा हो या आप किसी का पीछा कर रहे हों। यह आपको भूखा रखती है और अपना स्तर बढ़ाने के लिए मजबूर करती है। यह दबाव आपको मजबूत बनाता है और और भी कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है। यह लगातार बनी रहने वाली चुनौती है और यही मेरे लिए खेल को इतना रोमांचक बनाती है।

विश्व नंबर एक ने पेशेवर और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि कोर्ट पर खेल की तीव्रता और आक्रामकता के बीच पूरी तरह केंद्रित रहना पड़ता है, इसलिए कोर्ट के बाहर आराम करना और अपनी पसंद की चीजों का आनंद लेना जरूरी है।

उन्होंने कहा, मैंने हमेशा माना है कि कोर्ट के अंदर और बाहर की जिंदगी के बीच संतुलन होना जरूरी है। कोर्ट पर खेल बेहद तीव्र और आक्रामक होता है। आपको हर समय मजबूत और केंद्रित रहना पड़ता है। वहां खुद को ढीला छोड़ने की कोई जगह नहीं होती, लेकिन कोर्ट के बाहर स्थिति अलग होती है। वहां आप आराम करते हैं, मौज-मस्ती करते हैं और अपनी पसंद की चीजों का आनंद लेते हैं। यही संतुलन मुझे फिर से ऊर्जा हासिल करने और अगले मैच के लिए तरोताजा रहने में मदद करता है।

अंतिम-16 में सबालेंका का सामना टेलर टाउनसेंड से होगा। यह मुकाबला जियोहाटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स पर प्रसारित किया जाएगा।

सबालेंका ने यूएस ओपन में न्यूयार्क के माहौल को भी खास बताया। उन्होंने कहा कि दर्शकों का उत्साह उन्हें अतिरिक्त ऊर्जा देता है और शहर की ऊर्जा भी कोर्ट पर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती है।

उन्होंने कहा, यहां मुझे बहुत कुछ पसंद है। सबसे पहले तो यहां के दर्शक शानदार हैं। जब वे आपका उत्साह बढ़ाते हैं तो आपको बहुत ऊर्जा मिलती है। मुझे न्यूयार्क में रहना पसंद है। जब मौका मिलता है तो खरीदारी करना और अच्छे रेस्तरां में खाना भी पसंद है। इस शहर में दो या तीन सप्ताह बिताना हमेशा खास होता है। मुझे लगता है कि शहर की ऊर्जा आपको कोर्ट पर और कड़ी मेहनत करने और प्रेरित बने रहने के लिए प्रेरित करती है।

एएचएफ जूनियर एशिया कपः भारत ने इंडोनेशिया को 14-0 से रौंदकर किया शानदार आगाज

मोक्वी, चीन

भारतीय जूनियर पुरुष हाकी टीम ने एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 में अपने खिताब बचाने के अभियान की धमाकेदार शुरुआत की है। पूल ए के शुरुआती मुकाबले में भारत ने इंडोनेशिया को एकतरफा मुकाबले में 14-0 से रौंद दिया। पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम ने पूरे मुकाबले में अपना दबदबा कायम रखा।

भारत की ओर से प्रभदीप सिंह सबसे सफल रहे। उन्होंने पांच गोल दागे और उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। कप्तान अनमोल एक्का ने चार गोल किए, जबकि अजीत यादव ने हैट्रिक पूरी की। हरपाल और आशु मौर्य ने एक-एक गोल किया।

भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। प्रभदीप ने पांचवें मिनट में गोल कर भारत का खाता खोला, जबकि हरपाल ने आठवें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत 2-0 से आगे था।

दूसरे क्वार्टर में अनमोल ने 16वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर स्कोर 3-0 किया। अजीत यादव ने 20वें मिनट में एक और गोल दागा। इसके बाद प्रभदीप ने 26वें और 30वें मिनट में गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत को मध्यांतर तक 6-0 की मजबूत बढ़त दिला दी। तीसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा जारी रहा। अनमोल ने 35वें और 42वें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला। इसके बाद प्रभदीप ने क्वार्टर समाप्त होने से पहले एक और गोल दागकर भारत की बढ़त 9-0 कर दी। अंतिम क्वार्टर में भारतीय टीम ने पांच और गोल किए। अनमोल ने 51वें मिनट में अपना चौथा गोल किया, जबकि प्रभदीप ने अगले ही मिनट में पांचवां गोल दाग दिया। अजीत यादव ने 53वें मिनट में दो गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। आशु मौर्य ने 59वें मिनट में पेनल्टी कार्नर पर गोल कर भारत को 14-0 की शानदार जीत दिलाई। भारत ने कुल नौ मैदानी गोल किए, जबकि चार गोल पेनल्टी कार्नर और एक गोल पेनल्टी स्ट्रोक से आया। अनमोल ने तीन पेनल्टी कार्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला, जबकि मौर्य ने एक पेनल्टी कार्नर पर गोल किया। इंडोनेशिया की यह लगातार दूसरी हार है। उसे दक्षिण कोरिया के खिलाफ 0-9 से शिकस्त मिली थी। पूल ए में वह पांचवें स्थान पर है। वहीं, चीनी ताइपे जापान के खिलाफ 0-7 से हारकर चौथे स्थान पर है। भारत इस जीत से तीन अंक लेकर जापान और दक्षिण कोरिया के साथ बराबरी पर है, लेकिन बेहतर गोल अंतर के कारण पूल ए में शीर्ष पर पहुंच गया है।